



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

13 आषाढ़ 1934 (श०)

(सं० पटना 306)

पटना, बुधवार, 4 जुलाई 2012

वाणिज्य-कर विभाग

अधिसूचनाएं

4 जुलाई 2012

एस०ओ० 116, दिनांक 4 जुलाई 2012—बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 (2005 का अधिनियम 27) की धारा—93 की उप—धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार—राज्यपाल बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 में निम्न संशोधन करते हैं, यथा—

1. बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 के नियम 40 में संशोधन — (1) बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 के नियम 40 का उप—नियम (2), उस तिथि के प्रभाव से जो आयुक्त अधिसूचना द्वारा निर्दिष्ट करे, निम्नवत प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा—

”(2)(क) वाणिज्य-कर विभाग के आधिकारिक वेबसाइट पर इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या हेतु आवेदन दाखिल किए बिना एवं ऐसी संख्या प्राप्त किए बिना कोई व्यक्ति अनुसूची I में निर्दिष्ट माल के अतिरिक्त अन्य कोई माल आयुक्त द्वारा अधिसूचना में निर्दिष्ट मात्रा अथवा मूल्य से अधिक मात्रा में अथवा मूल्य में किसी जाँच चौकी के पार या बाहर परिवहन नहीं करेगा।

(ख) खण्ड (क) में निर्दिष्ट हर एक आवेदक, उपर्युक्त विधि से परिवहन हेतु प्रस्तावित सम्बन्धित विधियों की बावत, ऐसी विशिष्टियाँ अपलोड करेगा जो आयुक्त द्वारा इस बावत निर्गत अधिसूचना में निर्दिष्ट की जाय।

(ग) खण्ड (क) के अधीन हर एक आवेदन का संसाधन, इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या का निर्गमन तथा आवेदक को इसका संसूचन ऐसी रीति से की जाएगी जो खण्ड (ख) के अधीन निर्गत अधिसूचना में विहित की जाए।

(घ) मालवाहक वाहन का चालक अथवा माल का प्रभारी व्यक्ति, माँगे जाने पर, अनुश्रवण प्राधिकारी को सत्यापन हेतु इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या संसूचित करेगा एवं ऐसा प्राधिकारी इससे खण्ड (ख) के अधीन निर्गत अधिसूचना में यथाविहित रीति से निपटेगा।

(ङ.) अनुश्रवण प्राधिकारी को सत्यापन हेतु इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या संसूचित करने की रीति एवं इसकी वैधता की अवधि खण्ड (ख) के अधीन निर्गत अधिसूचना में निर्दिष्ट की जा सकेगी।

स्पष्टीकरण 1.—इस उप—नियम के प्रयोजनार्थ पद “अनुश्रवण प्राधिकारी” से अभिप्रेत है—

(i) संबंधित जाँच चौकी अथवा मार्गस्थ किसी जाँच चौकी की बावत अधिकारिता का प्रयोग करने वाला वाणिज्य-कर उपायुक्त, वाणिज्य-कर सहायक आयुक्त, वाणिज्य-कर पदाधिकारी अथवा सहायक वाणिज्य-कर पदाधिकारी; अथवा

(ii) मार्गस्थ किसी अँचल की बावत अधिकारिता का प्रयोग करने वाला वाणिज्य—कर उपायुक्त, वाणिज्य—कर सहायक आयुक्त, वाणिज्य—कर पदाधिकारी अथवा सहायक वाणिज्य—कर पदाधिकारी; अथवा

(iii) धारा—86 के अधीन मार्गस्थ किसी अन्वेषण व्यूरो की बावत अधिकारिता का प्रयोग करने वाला कोई प्राधिकारी।

स्पष्टीकरण 2— धारा—60 एवं धारा—62 के प्रयोजनार्थ इस उप—नियम के अधीन सृजित इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या को घोषणा समझी जाएगी।”

(2) बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 के नियम 40 के उप—नियम (3) तथा उप—नियम (4) विलोपित किए जायेंगे।

2. बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 के नियम 41 में संशोधन — (1) बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 का नियम 41, उस तिथि के प्रभाव से जो आयुक्त अधिसूचना द्वारा निर्दिष्ट करे, निम्नवत् प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा—

“41. संचरण पर निबंधन— (1) वाणिज्य—कर विभाग के आधिकारिक वेबसाइट पर, इसके बाद निर्दिष्ट रीति के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या हेतु आवेदन दाखिल किए बिना एवं ऐसी संख्या प्राप्त किए बिना कोई व्यक्ति धारा—61 की उप—धारा (1) के अधीन निर्देशित किसी माल का, अधिसूचना में यथाविनिर्दिष्ट मात्रा अथवा मूल्य से अधिक, किसी संप्रेषण का परिवहन नहीं करेगा।

(2)(क) यदि ऐसा कोई माल अधिनियम के अधीन वैध रजिस्ट्रीकरण प्रमाण—पत्र रखनेवाले किसी व्यवहारी द्वारा या उसकी ओर से किसी अन्य राज्य से आयातित किया जा रहा हो तो व्यवहारी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या हेतु आवेदन दिया जाएगा।

(ख) खण्ड (क) में निर्दिष्ट हर एक आवेदक, उपर्युक्त विधि से परिवहन हेतु प्रस्तावित सम्प्रेषणों की बावत, ऐसी विशिष्टियाँ अपलोड करेगा जो आयुक्त द्वारा इस बावत निर्गत अधिसूचना में निर्दिष्ट की जाय।

(ग) खण्ड (क) के अधीन हर एक आवेदन का संसाधन, इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या का निर्गमन तथा आवेदक को इसका संसूचन ऐसी रीति से की जाएगी जो खण्ड (ख) के अधीन निर्गत अधिसूचना में विहित की जाए।

(घ) मालवाहक वाहन का चालक अथवा माल का प्रभारी व्यक्ति, माँगे जाने पर, अनुश्रवण प्राधिकारी को सत्यापन हेतु इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या संसूचित करेगा एवं ऐसा प्राधिकारी इससे खण्ड (ख) के अधीन निर्गत अधिसूचना में यथाविहित रीति से निपटेगा।

(ड.) अनुश्रवण प्राधिकारी को सत्यापन हेतु इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या संसूचित करने की रीति एवं इसकी वैधता की अवधि खण्ड (ख) के अधीन निर्गत अधिसूचना में निर्दिष्ट की जा सकेगी।

(3)(क) यदि ऐसा कोई माल किसी निबंधित व्यवहारी से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से किसी अन्य राज्य से आयातित किया जा रहा हो तो ऐसे व्यक्ति की ओर से माल का परिवहन करने वाले व्यक्ति द्वारा इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या हेतु आवेदन दिया जाएगा।

(ख) उप—नियम (2) के खण्ड (ख), खण्ड (ग), खण्ड (घ) तथा खण्ड (ड.) के उपबन्ध यथा आवश्यक परिवर्तन सहित खण्ड (क) के अधीन आवेदन में लागू होंगे।

(4)(क) यदि ऐसा कोई माल किसी निबंधित व्यवहारी द्वारा या उसकी ओर से राज्य के अन्तर्गत भेजा जानेवाला हो तो विक्रेता व्यवहारी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या हेतु आवेदन दिया जाएगा।

(ख) उप—नियम (2) के खण्ड (ख), खण्ड (ग), खण्ड (घ) तथा खण्ड (ड.) के उपबन्ध यथा आवश्यक परिवर्तन सहित खण्ड (क) के अधीन आवेदन में लागू होंगे।

(5)(क) यदि ऐसा कोई माल किसी निबंधित व्यवहारी से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से राज्य के अन्तर्गत भेजा जानेवाला हो तो ऐसे व्यक्ति की ओर से माल परिवहन करने वाले व्यक्ति द्वारा इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या हेतु आवेदन दिया जाएगा।

(ख) उप—नियम (2) के खण्ड (ख), खण्ड (ग), खण्ड (घ) तथा खण्ड (ड.) के उपबन्ध यथा आवश्यक परिवर्तन सहित खण्ड (क) के अधीन आवेदन में लागू होंगे।

(6)(क) यदि ऐसा कोई माल किसी व्यवहारी द्वारा या उसकी ओर से राज्य के अंदर के किसी स्थान से राज्य के बाहर किसी स्थान को परिवहित किया जा रहा हो तो—

(i) किसी निबंधित व्यवहारी द्वारा या उसकी ओर से परिवहन के मामले में, व्यवहारी द्वारा, अथवा

(ii) अन्य सभी मामलों में, माल परिवहित करने वाले व्यक्ति द्वारा—

इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या हेतु आवेदन दिया जाएगा।

(ख) उप—नियम (2) के खण्ड (ख), खण्ड (ग), खण्ड (घ) तथा खण्ड (ड.) के उपबन्ध यथा आवश्यक परिवर्तन सहित खण्ड (क) के अधीन आवेदन में लागू होंगे।

स्पष्टीकरण 1.—इस नियम के प्रयोजनार्थ पद “अनुश्रवण प्राधिकारी” से अभिप्रेत है—

(i) संबंधित जाँच चौकी अथवा मार्गस्थ किसी जाँच चौकी की बावत अधिकारिता का प्रयोग करने वाला वाणिज्य—कर उपायुक्त, वाणिज्य—कर सहायक आयुक्त, वाणिज्य—कर पदाधिकारी अथवा सहायक वाणिज्य—कर पदाधिकारी; अथवा

(ii) मार्गस्थ किसी अँचल की बावत अधिकारिता का प्रयोग करने वाला वाणिज्य—कर उपायुक्त, वाणिज्य—कर सहायक आयुक्त, वाणिज्य—कर पदाधिकारी अथवा सहायक वाणिज्य—कर पदाधिकारी; अथवा

(iii) धारा-86 के अधीन मार्गस्थ किसी अन्वेषण व्यूरो की बावत अधिकारिता का प्रयोग करने वाला कोई प्राधिकारी।

स्पष्टीकरण 2— धारा-61 के प्रयोजनार्थ इस उप नियम के अधीन सृजित इलेक्ट्रॉनिक संव्यवहार पहचान संख्या को घोषणा समझी जाएगी।”

3. यह अधिसूचना इसके निर्गमन की तिथि से प्रवृत्त होगी।

[संचिका संख्या—बिक्री—कर/विविध-43/2011-5307(अनु०)]

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,

सुधीर कुमार,

वाणिज्य—कर आयुक्त—सह—प्रधान सचिव।

4 जुलाई 2012

एसओ० 117, एसओ० 116, दिनांक 4 जुलाई 2012 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवानद बिहार—राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में इसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

[संचिका संख्या—बिक्री—कर/विविध-43/2011-5307(अनु०)]

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,

सुधीर कुमार,

वाणिज्य—कर आयुक्त—सह—प्रधान सचिव।

The 4th July 2012

S.O. 116, dated 4th July 2012—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 93 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005 (Act 27 of 2005), the Governor of Bihar is pleased to make the following amendments in the Bihar Value Added Tax Rules, 2005, namely:

1. Amendment in rule 40 of the Bihar Value Added Tax Rules, 2005—(1) Sub-rule (2) of rule 40 of the Bihar Value Added Tax Rules, 2005 shall, with effect from such date as the Commissioner may, by notification, specify, be substituted by the following, namely—

“(2)(a) No person shall transport across or beyond a check-post to any place outside the State of Bihar any goods other than those specified in Schedule-1 exceeding such quantity or value as the Commissioner may, by notification specify except after applying for grant of and obtaining an electronic transaction identification number on the official website of the Commercial Taxes Department.

(b) Every applicant referred to in clause (a) shall, in respect of consignments proposed to be transported as aforesaid, upload such details as the Commissioner may, by notification issued in this behalf, specify.

(c) Every application under clause (a) shall be processed, and the electronic transaction identification number generated and communicated to the applicant, in such manner as may be specified in the notification issued under clause (b).

(d) The driver of the vehicle carrying the goods or the person incharge of the goods shall, upon demand, communicate the electronic transaction identification number granted in respect of the goods to the monitoring authority for verification who shall deal with the same in such manner as may be specified in the notification issued under clause (b).

(e) The manner in which the electronic transaction identification number is to be communicated for verification to the monitoring authority and the period for which the said number shall be valid may be specified in the notification issued under clause (b).

Explanation.1— For the purposes of this sub-rule the expression “monitoring authority” shall mean—

(i) The Deputy Commissioner of Commercial Taxes, the Assistant Commissioner of Commercial Taxes, the Commercial Taxes Officer or the Assistant Commercial Taxes

Officer exercising jurisdiction in respect of the concerned checkposts or any checkposts en route; or

(ii) The Deputy Commissioner of Commercial Taxes, the Assistant Commissioner of Commercial Taxes, the Commercial Taxes Officer or the Assistant Commercial Taxes Officer exercising jurisdiction in respect of any of the Circles en route; or

(iii) Any of the authorities exercising jurisdiction under section 86 in respect of any Bureau of Investigation en route.

Explanation 2.— The electronic transaction identification number generated under this sub-rule shall be deemed to be declaration for the purposes of section 60 and section 62.”

(2) Sub-rule (3) and sub-rule (4) of rule 40 of the Bihar Value Added Tax Rules, 2005 shall be deleted.

2. Amendment in rule 41 of the Bihar Value Added Tax Rules, 2005— Rule 41 of the Bihar Value Added Tax Rules, 2005 shall, with effect from such date as the Commissioner may, by notification, specify, be substituted by the following, namely-

“41. Restriction on movement.— (1) No person shall transport, or cause to be transported, any consignment of goods referred to under sub-section (1) of section 61 exceeding such quantity or value as may be specified in the notification, except after applying for grant of and obtaining an electronic transaction identification number on the official website of the Commercial Taxes Department in the manner specified hereinafter.

(2)(a) In case of goods being imported from any other State, by or on behalf of a dealer who is in possession of a valid certificate of registration the application for the said electronic transaction identification number shall be made by the dealer.

(b) Every applicant referred to in clause (a) shall, in respect of consignments proposed to be transported as aforesaid, upload such details as the Commissioner may, by notification issued in this behalf, specify.

(c) Every application under clause (a) shall be processed, and the electronic transaction identification number generated and communicated to the applicant, in such manner as may be specified in the notification issued under clause (b).

(d) The driver of the vehicle carrying the goods or the person incharge of the goods shall, upon demand, communicate the electronic transaction identification number granted in respect of the goods to the monitoring authority for verification who shall deal with the same in such manner as may be specified in the notification issued under clause (b).

(e) The manner in which the electronic transaction identification number is to be communicated for verification to the monitoring authority and the period for which the said number shall be valid may be specified in the notification issued under clause (b).

(3)(a) In case of goods being imported from any other State, by or on behalf of a person other than a registered dealer, the application for the said electronic transaction identification number shall be made by the person transporting the goods on behalf of such person.

(b) The provisions of clause (b), clause (c), clause (d) and clause (e) of sub-rule (2) shall, *mutatis mutandis*, apply to an application under clause (a).

(4)(a) If any such consignment is to be transported by or on behalf of a registered dealer within the State, the application for the said electronic transaction identification number shall be made by the selling dealer.

(b) The provisions of clause (b), clause (c), clause (d) and clause (e) of sub-rule (2) shall, *mutatis mutandis*, apply to an application under clause (a).

(5)(a) If any such consignment is to be transported by or on behalf of a person other than a registered dealer within the State, the application for the said electronic transaction

identification number shall be made by the person transporting the goods on behalf of such person.

(b) The provisions of clause (b), clause (c), clause (d) and clause (e) of sub-rule (2) shall, *mutatis mutandis*, apply to an application under clause (a).

(6)(a) If any such consignment is to be transported from any place within the State to any place outside the State, the application for the said electronic transaction identification number shall be made by—

(i) the dealer, in a case where such consignment is being transported by or on behalf of a registered dealer, or

(ii) the person transporting the goods, in all other cases.

(b) The provisions of clause (b), clause (c), clause (d) and clause (e) of sub-rule (2) shall, *mutatis mutandis*, apply to an application under clause (a).

Explanation 1.— For the purposes of this rule the expression “monitoring authority” shall mean—

(i) The Deputy Commissioner of Commercial Taxes, the Assistant Commissioner of Commercial Taxes, the Commercial Taxes Officer or the Assistant Commercial Taxes Officer exercising jurisdiction in respect of the concerned checkposts or any checkposts en route; or

(ii) The Deputy Commissioner of Commercial Taxes, the Assistant Commissioner of Commercial Taxes, the Commercial Taxes Officer or the Assistant Commercial Taxes Officer exercising jurisdiction in respect of any of the Circles en route; or

(iii) Any of the authorities exercising jurisdiction under section 86 in respect of any Bureau of Investigation en route.

Explanation 2.— The electronic transaction identification number generated under this sub-rule shall be deemed to be declaration for the purposes of section 61.”

3. This notification shall come into force with effect from the date of its issue.

[File No.-Bikri-Kar/Vividh-43/2011—5307(Anu.)]

By Order of the Governor of Bihar,

SUDHIR KUMAR,

Commissioner-Cum-Principal Secretary,

Commercial Taxes Department.

एस0ओ0 118, दिनांक 4 जुलाई 2012—केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 (1956 का 74) की धारा—13 की उप—धारा (3) तथा उप—धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार—राज्यपाल केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 में निम्न संशोधन करते हैं, यथा—

1. केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 के नियम 2 में संशोधन — (1) केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 के नियम 2 में शब्द समूह “इस नियमावली में, जब तक कोई बात विषय या संदर्भ के विरुद्ध नहीं हो,” के पूर्व कोष्ठक तथा अंक “(1)” अन्तःस्थापित किये जायेंगे।

(2) केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 के नियम 2 के उप—नियम (क) के बाद निम्नलिखित नया उप—नियम (कक) अन्तःस्थापित किया जाएगा, यथा—

“(कक) किसी व्यवहारी की बावत, ‘अपीलीय प्राधिकारी’ से अभिप्रेत है बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा—72 के अधीन अधिकारिता का प्रयोग करने वाला ऐसा प्राधिकारी जिसकी क्षेत्राधिकारिता में व्यवहारी का व्यवसाय स्थल अवस्थित है;”

(3) केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 के नियम 2 के उप—नियम (ख), (खख), (ग), (घ), (ड.), (च), (ज), (ट), (ड) तथा (ड) विलोपित किए जायेंगे।

(4) केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 के नियम 2 के उप—नियम (घ) के बाद निम्नलिखित नया उप—नियम (घघ) अन्तःस्थापित किया जाएगा, यथा—

“(घघ) ‘अंचल प्रभारी’ से अभिप्रेत है अंचल का प्रभारी वाणिज्य—कर उपायुक्त, वाणिज्य—कर सहायक आयुक्त, वाणिज्य—कर पदाधिकारी अथवा इस बाबत आयुक्त द्वारा विषेष रूप से अधिकृत पदाधिकारी;”

(5) केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 के पुनः क्रमांकित उप—नियम (1) के पश्चात नया उप—नियम 2 निम्नवत अन्तःस्थापित किया जाएगा, यथा—

“(2) वैसे अन्य सभी शब्दों, पदों या अभिव्यक्तियों का, जिन्हें इसमें परिभाषित नहीं किया गया है, वहीं होगा जो बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 अथवा उसके अधीन बनाए गए नियमावली में उनके लिए दिया गया है।”

2. केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 में संशोधन — (1) शब्द समूह “सहायक आयुक्त, अधीक्षक अथवा सहायक अधीक्षक”, केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 में जहां कहीं भी प्रयुक्त हुए हों को शब्द समूह “अंचल प्रभारी” द्वारा प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

(2) शब्द समूह “बिहार बिक्री कर अधिनियम, 1959 (1959 का बिहार अधिनियम 19)” केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 में जहां कहीं भी प्रयुक्त हुए हों को शब्द समूह “बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 (2005 का अधिनियम 27)” द्वारा प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

3. केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 के नियम 7 में संशोधन — (1) केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 के नियम 7 के उप—नियम (1) में शब्द समूह “कोई बिक्री कर प्राधिकारी” शब्द समूह “अंचल प्रभारी” से प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

(2) केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 के नियम 7 के उप—नियम (4) में शब्द समूह “सहायक अधीक्षक पद से अन्यून कोई बिक्री कर प्राधिकारी” शब्द समूह “अंचल प्रभारी” से प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

4. केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 के नियम 8—क में संशोधन — केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 के नियम 8—क में शब्द समूह “अपीलीय सहायक आयुक्त, यदि अधीक्षक अथवा सहायक अधीक्षक द्वारा आदेश पारित किया गया हो, एवं अपीलीय उपायुक्त यदि सहायक आयुक्त द्वारा आदेश पारित किया गया हो” शब्द समूह “अपीलीय प्राधिकारी” से प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

5. केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 के नियम 9 में संशोधन — केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 के नियम 9, उस तिथि के प्रभाव से जो आयुक्त अधिसूचना द्वारा निर्दिष्ट करे, निम्नवत प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा—

“**9. घोषणा पत्र तथा प्रमाण पत्र प्राप्त करने की रीति**—(1) इस नियमावली में किसी बात के होते हुए भी, आयुक्त, इस बाबत निर्गत अधिसूचना द्वारा, धारा—5 की उप—धारा (4), या धारा—6 की उप—धारा (2), या धारा—6 की उप—धारा (1), या धारा—8 की उप—धारा (4), या धारा—8 की उप—धारा (8) के अधीन विहित किसी घोषणा पत्र अथवा, यथास्थिति, प्रमाण—पत्र, प्राप्त करने की रीति तथा ऐसी शर्तों एवं निवंधनों जिसके अधीन उन्हें प्राप्त किया जा सकता है, विहित कर सकेगा।

(2) उप—नियम (1) के अधीन निर्गत अधिसूचना में वह रीति जिससे ऐसे प्रपत्र मुद्रित, निर्गत एवं अभिरक्षा में रखे जाएंगे और वह रीति जिससे ऐसे किसी प्रपत्र का उपयोग किया जा सकेगा और ऐसा कोई प्रमाणपत्र या घोषणा दी जा सकेगी, विहित की जा सकेगी।”

6. केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 के कतिपय नियमों का विलोपन— केन्द्रीय बिक्री कर (बिहार) नियमावली, 1957 का नियम 9—क, नियम 9—ख तथा नियम 9—ग विलापित किये जायेंगे।

7. यह अधिसूचना इसके निर्गमन की तिथि से प्रवृत्त होगी।

[संचिका संख्या—बिक्री—कर / विविध-43/2011-5307(अनु०)]

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,

सुधीर कुमार,

वाणिज्य—कर आयुक्त—सह—प्रधान सचिव।

4 जुलाई 2012

एसओ० 119, एसओ० 118, दिनांक 4 जुलाई 2012 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवानद बिहार—राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में इसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

[संचिका संख्या—बिक्री—कर / विविध-43/2011-5307(अनु०)]

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,

सुधीर कुमार,

वाणिज्य—कर आयुक्त—सह—प्रधान सचिव।

The 4th July 2012

S.O. 118, dated 4th July 2012—In exercise of the powers conferred by sub section (3) and sub-section (4) of section 13 of the Central Sales Tax Act, 1956 (74 of 1956), the Governor of Bihar is pleased to make the following amendments in the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957, namely:

1. Amendment in rule 2 of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957—(1) The bracket and figure “(1)” shall be inserted before the words “In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context” in rule 2 of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957.

(2) After sub-rule (a) of rule 2 of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957 the following new sub rule (aa) shall be inserted, namely-

‘(aa) “Appellate Authority”, in relation to a dealer, means an Authority exercising jurisdiction under section 72 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005 within whose jurisdiction any place of business of the dealer is situated;’

(3) Sub-rules (b), (bb), (c), (d), (e), (f), (h), (k), (m) and (n) of rule 2 of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957 shall be deleted.

(4) After sub-rule (d) of rule 2 of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957 the following new sub-rule (dd) shall be inserted, namely-

‘(dd) “Circle Incharge” means the Deputy Commissioner of Commercial Taxes or the Assistant Commissioner of Commercial Taxes or the Commercial Taxes Officer, Incharge of the Circle or the officer specially empowered by the Commissioner in this behalf;’

(5) After sub-rule (1) of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957 the following new sub rule (2) shall be inserted, namely-

“(2) All other words, terms or expressions not defined herein shall have the same meaning as is assigned to them in the Bihar Value Added Tax Act, 2005 or the rules made thereunder.”

2. Amendment in the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957—(1) The words “Assistant Commissioner, Superintendent or Assistant Superintendent”, wherever occurring in the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957, shall be substituted by the words “Circle Incharge”.

(2) The words “Bihar Sales Tax Act, 1959 (Bihar Act 19 of 1959)”, wherever occurring in the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957, shall be substituted by the words “Bihar Value Added Tax Act, 2005 (Act 27 of 2005)”.

3. Amendment in rule 7 of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957—(1) The words “Any sales tax authority” in sub-rule (1) of rule 7 of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957 shall be substituted by the words “The Circle Incharge”.

(2) The words “any sales tax authority not below the rank of an Assistant Superintendent” in sub-rule (4) of rule 7 of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957 shall be substituted by the words “The Circle Incharge”.

4. Amendment in rule 8-A of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957—The “Appellate Assistant Commissioner, if the said order has been passed by the Superintendent or the Assistant Superintendent and to the Appellate Deputy Commissioner if the said order has been passed by the Assistant Commissioner” in rule 8-A of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957 shall be substituted by the words “Appellate Authority”.

5. Amendment in rule 9 of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957—Rule 9 of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957 shall, with effect from such date as the Commissioner may, by notification, specify, be substituted in the following way, namely—

“9. Manner of obtaining forms of declarations and certificates— (1) Notwithstanding anything contained in these rules, the Commissioner may, by a notification issued in this behalf, specify the manner in which, and the conditions and restrictions subject to which, any of the declarations or, as the case may be, the certificates prescribed under sub-section (4) of section 5, or sub-section (2) of section 6, or sub-section (1) of section 6A, or sub-section (4) of section 8, or sub-section (8) of section 8 of the Act may be obtained.

(2) The notification issued under sub-rule (1), may further specify the manner in which such forms shall be printed, issued and kept in custody and the manner in which any such form may be used and any such certificate or declaration may be furnished.”

6. Deletion of certain rules of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957—Rules 9-A, 9-B and 9-C of the Central Sales Tax (Bihar) Rules, 1957 shall be deleted.

7. This notification shall come into force with effect from the date of its issue.

[File No.-Bikri-Kar/Vividh-43/2011—5307(Anu.)]

By Order of the Governor of Bihar,

SUDHIR KUMAR,

*Commissioner-Cum-Principal Secretary,
Commercial Taxes Department.*

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 306-571+1000-२०१००५०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>